Literacy for a Billion

Movie: Guide
Year: 1965

Song: Aaj Phir Jine Ki Tamanna Hai
Lyricist: Shailendra

ओ ...
काँटों से खींचके ये आँचल
तोड़ के बंधन बाँधी पायल
हो ...
कोई ना रोको
दिल की उड़ान को
दिल वो चला
आ ...
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है
अपने ही बस में नहीं मैं
दिल है कहीं तो हूँ कहीं मैं
हो ...
अपने ही बस में नहीं मैं
दिल है कहीं तो हूँ कहीं मैं
हो ...
जाने क्या पाके मेरी ज़िन्दगी ने
हँसकर कहा
हा हा हा ...
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है

मैं हूँ गुबार या तूफ़ाँ हूँ
कोई बताए मैं कहाँ हूँ
ओ ...
मैं हूँ गुबार या तूफ़ाँ हूँ
कोई बताए मैं कहाँ हूँ
ओ ...
डर है सफ़र में कहीं
खो ना जाऊँ मैं
रस्ता नया
आ ...
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है

कल के अँधेरों से निकल के
देखा है आँखें मलते मलते
ओ ...
कल के अँधरों से निकल के
देखा है आँखें मलते मलते
हो ...
फूल ही फूल ज़िन्दगी बहार है
तय कर लिया
आ ...
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है
आज फिर जीने की तमन्ना है
आज फिर मरने का इरादा है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.